भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 387

जिसका उत्तर 27 नवंबर, 2024 को दिया जाना है

तमिलनाडु के लिए कोयले की मांग

387. श्री के. गोपीनाथः

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि कुशल कोयला निकासी हेतु एकीकृत कोयला संभारतंत्र योजना संबंधी सरकार के प्रतिवेदन के अनुसार वर्ष 2030 तक तमिलनाडु में विद्युत क्षेत्र की अधिकतम कोयला मांग बढ़कर 65.7 मिलियन टन हो जाएगी;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा तमिलनाडु में विद्युत क्षेत्र को कार्यशील ताप विद्युत इकाइयों और निर्माणाधीन ताप संयंत्रों अर्थात इन्नौर एसईजेड 1,320 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट, नॉर्थ चैन्नई थर्मल पावर स्टेशन स्टेज-III के लिए 800 मेगावाट का विस्तार और उदनगुडी सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट स्टेज 1-1,320 मेगावाट के लिए कोयले की पर्याप्त आपूर्ति हेतु सहायता और सुविधा प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख) : जी, हां। कोयला मंत्रालय द्वारा एकीकृत कोयला संभारतंत्र योजना फरवरी 2024 में तैयार और लांच की गई थी। इसमें वित्त वर्ष 2030 तक तमिलनाडु राज्य में विद्युत क्षेत्र के लिए अनुमानित कोयले की मांग 65.7 मिलियन टन और वास्तविक कोयले की मांग 56.6 मिलियन टन होने का अनुमान दिया गया है।

वित्त वर्ष 2030 तक तमिलनाडु राज्य के लिए विद्युत क्षेत्र की संभावित कोयले की मांग का ब्यौरा निम्नानुसार अनुमानित है:

क्र.सं.	श्रेणी	विद्युत संयंत्र	क्षमता (मे.वा.)	वित्त वर्ष 2030 तक कोयले की अनुमानित मांग (मि.ट.)	वित्त वर्ष 2030 तक कोयले की वास्तविक मांग (मि.ट.)

1.	मौजूदा विद्युत संयंत्रों की मांग	मुटियारा	1200	5.86	5.04
		आईएल एंड एफएस तमिलनाडु पावर कंपनी लिमिटेड	1200	4.81	4.14
		एनएलसी तमिलनाडु पावर लिमिटेड	1000	5.42	4.66
		वल्लूर	1500	8.41	7.24
		तूतीकोरिन	1050	6.74	5.80
		मेट्टूर-I	840	5.04	4.33
		मेट्टूर-II	600	3.5	3.01
		उत्तर चेन्नई - I और II	1830	10.7	9.20
		उप जोड	**9220**	**50.48**	**43.42**
2.	निर्माणाधीन विद्युत संयंत्रों की मांग	एन्नोर एससीटीपीपी	1320	5.95	5.12
		उत्तरी चेन्नई टीपीपी एसटी-III	800	3.42	2.94
		उदंगुडी एसटीपीपी एसटी-1	1320	5.89	5.07
		उप जोड	**3440**	**15.26**	**13.13**
		कुल	**12660**	**65.74**	**56.55**

(ग) : विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति करना एक सतत प्रक्रिया है। सरकार ने तमिलनाडु सहित देश के लिए विद्युत क्षेत्र को सहायता एवं सुविधा प्रदान करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं -

(i) विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति करना एक सतत प्रक्रिया है। विद्युत क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति के मुद्दों का समाधान करने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी उप-समूह जिसमें विद्युत मंत्रालय, कोयला मंत्रालय, रेल मंत्रालय, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए), कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) तथा सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के प्रतिनिधि शामिल हैं, ताप विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति बढ़ाने के साथ-साथ विद्युत संयंत्रों में कोयले के भंडार की नाजुक स्थिति को दूर करने सहित विद्युत क्षेत्र से संबंधित किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न प्रचालनात्मक निर्णय लेने हेतु नियमित रूप से बैठक करता हैं। इसके अलावा, कोयला आपूर्ति तथा विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि की निगरानी के लिए एक अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) का गठन किया गया है जिसमें अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड; सचिव, कोयला मंत्रालय; सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और सचिव, विद्युत मंत्रालय शामिल है। सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा अध्यक्ष, सीईए को आईएमसी द्वारा आवश्यकता पड़ने पर विशेष आमंत्रित के रूप में सहयोजित किया जाता है।

(ii) कोल इंडिया लिमिटेड स्रोतों से वर्ष 2023-24 और 2024-25 (अक्तूबर तक) के लिए तमिलनाडु आधारित ताप विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति निम्नानुसार है

(मात्रा मिलियन टन में)

उपभोक्ता	**वर्ष**	**कोयले की आपूर्ति**
एनएलसी तमिलनाडु	2023-24	1.95
एनटीईसीएल वल्लूर	2023-24	4.34
	2024-25 (अक्टूबर तक)	2.71
टैनजेडको	2023-24	19.07
	2024-25 (अक्टूबर तक)	11.29
तमिलनाडु कुल	2023-24	25.36
	2024-25 (अक्टूबर तक)	14.00

(iii) सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) से 2023-24 और 2024-25 (अक्टूबर तक) के लिए आपूर्ति निम्नानुसार है:

(मात्रा मिलियन टन में)

संयंत्र	2023-24	2024-25 (अक्टूबर तक)
मेट्टूर टीपीएस I और II	1.84	1.59
उत्तर चेन्नई टीपीएस चरण - III	-	0.21

(iv) शक्ति नीति के पैरा ख (i) के अंतर्गत एससीसीएल से टीएएनजीईडीसीओ की उपुर सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट (2x800 मेगावाट) की संस्थापित क्षमता के 50% को कोयला लिंकेज प्रदान किए गए हैं तथा एससीसीएल द्वारा ईंधन आपूर्ति करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं। शक्ति नीति के पैरा ख (i) के अंतर्गत टीएएनजीईडीसीओ की उडानगुडी चरण-I (2x660 मेगावाट), एन्नौर टीपीएस विस्तार (1x660 मेगावाट) और एन्नौर एसईजेड (2x660 मेगावाट) की संस्थापित क्षमता के 50% को भी कोयला लिंकेज प्रदान किए गए हैं।

****